

UGC NET Paper 1 2011 June

www.Fillerform.info

Previous Years Solved Questions - UGC NET Paper 1 for July 201

Unit 3(Home work)Hindi/Eng-37

“A principal fruit of friendship,” Francis Bacon wrote in his timeless meditation on the subject, “is the ease and discharge of the fulness and swellings of the heart, which passions of all kinds do cause and induce.” For Thoreau, friendship was one of life’s great rewards. But in today’s cultural landscape of muddled relationships scattered across various platforms for connecting, amidst constant debates about whether our Facebook “friendships” are making us more or less happy, it pays to consider what friendship actually is. That’s precisely what CUNY philosophy professor Massimo Pigliucci explores in *Answers for Aristotle: How Science and Philosophy Can Lead Us to A More Meaningful Life* (public library), which also gave us this provocative read on the science of what we call “intuition.”

Philosophers and cognitive scientists agree that friendship is an essential ingredient of human happiness. But beyond the dry academic definitions — like, say, “voluntary interdependence between two persons over time, which is intended to facilitate socio-emotional goals of the participants, and may involve varying types and degrees of companionship, intimacy, affection and mutual assistance” — lies a body of compelling research that sheds light on how, precisely, friendship augments happiness.

The way friendship enhances well-being, it turns out, has nothing to do with quantity and everything to do with quality — researchers confirm that it isn’t the

number of friends (or, in the case of Facebook, “friends”)

Q1.Name one change effected in the present situation which hassled to a re-thinking of the concept of friendship

- 1)Bacon and Thoreau’s theories are no longer available to read
- 2)The arrival of social media on the scene
- 3)There is more interest in the sciences
- 4)Friendships are not possible in the real world anymore, due to over-competition

Ans1) The second part is the correct answer, since the passage mentions ‘Facebook’ a social networking website

Q2.Friendship leads to happiness. Is it true?

- 1)Yes, researches have proven that friendship does lead to happiness
- 2)No, there is no relationship between friendship and happiness
- 3)Friends cannot make each other happy
- 4)One needs to find one’s happiness alone, with peace of mind

Ans2) According to the given paragraph, the first answer is correct (as is mentioned in the second passage of the RC)

Q3.Did Pigluicci’s book discuss intuition too?

- 1)No, it only discussed friendship
- 2)It explained science and philosophy

3)It discusses Aristotle's theories

4)Yes

Ans3) The book does discuss intuition, as stated in the first paragraph. Hence the correct answer is the fourth option

Q4.Is the quality of friends important?

1)No, it is important to have more number of friends, quality does not matter

2)No, number of comments on social networking sites is important, not the quality of friends

3)Yes, it matter

4)No, quality comes automatically with quantity

Ans4) The third option is correct, as stated in the last paragraph – quality matters over quantity

Q5.As per the first, paragraph what are the debates about?

1)They are centred around whether our Facebook friends are helping us become more or less happy

2)There are no debates around friendship

3)The quality of comments of social media is debatable

4)Thoreau and Aristotle's thinking is at loggerheads

Ans5) The first option is correct, as per the first paragraph in the given RC

"दोस्ती का एक प्रमुख फल," फ्रांसिस बेकन ने इस विषय पर अपने कालातीत ध्यान में लिखा है, "दिल की परिपूर्णता और सृजन का सहजता और निर्वहन है, जो सभी प्रकार के जुनून का कारण और प्रेरित करता है।" थोरो के लिए, दोस्ती जीवन के महान पुरस्कारों में से एक थी। लेकिन आज के सांस्कृतिक परिदृश्य में जुड़ने के लिए विभिन्न प्लेटफार्मों पर बिखरे हुए रिश्तों के बीच, इस बारे में लगातार बहस के बीच कि क्या हमारी फेसबुक "दोस्ती" हमें कम या ज्यादा खुश कर रही है, यह विचार करने के लिए भुगतान करता है कि दोस्ती वास्तव में क्या है। ठीक यही CUNY दर्शनशास्त्र के प्रोफेसर मास्सिमो पिग्लुची ने अरस्तू के उत्तर में खोज की: कैसे विज्ञान और दर्शन हमें एक अधिक अर्थपूर्ण जीवन (सार्वजनिक पुस्तकालय) की ओर ले जा सकते हैं, जिसने हमें "अंतर्ज्ञान" के विज्ञान पर यह उत्तेजक पढ़ा।

दार्शनिक और संज्ञानात्मक वैज्ञानिक इस बात से सहमत हैं कि मित्रता मानव सुख का एक अनिवार्य घटक है। लेकिन सूखी अकादमिक परिभाषाओं से परे - जैसे, "समय के साथ दो व्यक्तियों के बीच स्वैच्छिक अन्योन्याश्रयता, जिसका उद्देश्य प्रतिभागियों के सामाजिक-भावनात्मक लक्ष्यों को सुविधाजनक बनाना है, और इसमें विभिन्न प्रकार और साहचर्य, अंतरंगता, स्नेह और पारस्परिक सहायता की डिग्री शामिल हो सकती है" - सम्मोहक शोध का एक निकाय है जो इस बात पर प्रकाश डालता है कि कैसे, ठीक, दोस्ती खुशी को बढ़ाती है।

जिस तरह से दोस्ती भलाई को बढ़ाती है, यह पता चला है, मात्रा से कोई लेना-देना नहीं है और गुणवत्ता के साथ सब कुछ करना है - शोधकर्ता पुष्टि करते हैं कि यह दोस्तों की संख्या नहीं है (या, फेसबुक के मामले में, "दोस्त")

Q1.वर्तमान स्थिति में हुए एक परिवर्तन का नाम बताइए जो मित्रता की अवधारणा पर फिर से विचार करने में बाधा उत्पन्न करता है

१)बेकन और थोरो के सिद्धांत अब पढ़ने के लिए उपलब्ध नहीं हैं

2) सोशल मीडिया का मौके पर आगमन

3) विज्ञान में अधिक रुचि है

4) अधिक प्रतिस्पर्धा के कारण अब वास्तविक दुनिया में दोस्ती संभव नहीं है

Ans1) दूसरा भाग सही उत्तर है, क्योंकि पैसेज में सोशल नेटवर्किंग वेबसाइट 'फेसबुक' का उल्लेख है

Q2. दोस्ती से खुशी मिलती है। क्या यह सच है?

- १) हाँ, शोधों ने साबित किया है कि दोस्ती से खुशी मिलती है
- 2) नहीं, दोस्ती और खुशी के बीच कोई संबंध नहीं है
- 3) दोस्त एक दूसरे को खुश नहीं कर सकते
- ४) मन की शांति के साथ अकेले अपनी खुशी खोजने की जरूरत है

Ans2) दिए गए पैराग्राफ के अनुसार, पहला उत्तर सही है (जैसा कि RC के दूसरे पैसेज में बताया गया है)

Q3. क्या पिग्लुइकी की पुस्तक में अंतर्ज्ञान पर भी चर्चा की गई है?

- १) नहीं, इसने सिर्फ दोस्ती की चर्चा की
- 2) इसने विज्ञान और दर्शन की व्याख्या की
- 3) यह अरस्तू के सिद्धांतों की चर्चा करता है
- 4) हाँ

उत्तर ३) पुस्तक अंतर्ज्ञान पर चर्चा करती है, जैसा कि पहले पैराग्राफ में कहा गया है। अतः सही उत्तर चौथा विकल्प है

Q4. क्या दोस्तों की गुणवत्ता महत्वपूर्ण है?

- १) नहीं, दोस्तों की संख्या ज्यादा होना जरूरी है, गुणवत्ता मायने नहीं रखती
- 2) नहीं, सोशल नेटवर्किंग साइट्स पर टिप्पणियों की संख्या महत्वपूर्ण है, दोस्तों की गुणवत्ता नहीं
- 3) हाँ, यह मायने रखता है
- 4) नहीं, मात्रा के साथ गुणवत्ता अपने आप आती है

उत्तर 4) तीसरा विकल्प सही है, जैसा कि पिछले पैराग्राफ में कहा गया है - मात्रा से अधिक गुणवत्ता मायने रखती है

Q5. पहले पैराग्राफ के अनुसार बहस किस बारे में है?

- 1) वे इस बात पर केंद्रित होते हैं कि हमारे फेसबुक मित्र कमोबेश खुश रहने में हमारी मदद कर रहे हैं या नहीं
- 2) दोस्ती को लेकर कोई बहस नहीं होती
- 3) सोशल मीडिया की टिप्पणियों की गुणवत्ता बहस का विषय है
- 4) थोरो और अरस्तू की सोच आमने-सामने है

Ans5) दिए गए RC में पहले पैराग्राफ के अनुसार पहला विकल्प सही है